महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

उभरते भारत में ओजस्वी-तेजस्वी युवाओं की जरूरत : विजया शर्मा

हिंदी विवि में 'उभरते भारत में युवाओं की भूमिका' विषय पर हुआ व्याख्यान

वर्धा, 17 जनवरी, 2025 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में विकसित भारत @2047 व्याख्यानमाला के अंतर्गत 'उभरते भारत में युवाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित विशिष्ट व्याख्यान में राष्ट्र सेविका समिति, दिल्ली की अखिल भारतीय तरूणी विभाग प्रमुख विजया शर्मा ने कहा कि उभरते भारत में ओजस्वी-तेजस्वी युवाओं की जरूरत है। हमें विविधता में एकता विरासत में मिली है। युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं का अनुसरण करते हुए निष्काम कर्म से जीवन में निस्पृहता लानी चाहिए। शुक्रवार, 17 जनवरी को महादेवी वर्मा सभागार में आयोजित व्याख्यान की अध्यक्षता विवि के कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने की।

विजया शर्मा ने इतिहास के मध्यकाल और आधुनिक काल की चर्चा करते हुए स्वामी विवेकानंद, वीर सावरकर, देवी अहिल्या, द्रौपदी, यमुनाबाई, रुक्मिणी आदि के अध्यात्म, सांस्कृतिक योगदान और कुशल प्रबंधन पर अपनी बात रखी।

उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण और राम ने अपनी युवा अवस्था में भारत की समृद्ध संस्कृति का परिचय कराया था। उन्होंने आज के युवाओं को उभरते भारत के लिए धर्म के सत्य, शुचिता, करुणा और तप इन चार लक्षणों का पालन कर अपना योगदान देने का आह्वान किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि युवाओं को 'विकसित भारत @2047' की दिशा में अपने मूल्य, परंपरा और स्वत्व की पहचान कर दुनिया में अपनी छबी बनानी चाहिए। स्वामी विवेकानंद के शिकागो व्याख्यान का

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: buddhadassmirge@hindivishwa.ac.in वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि विवेकानंद ने पढ़ाई, स्वास्थ्य और खेल पर अधिक बल दिया था। उनका मानना था कि स्वस्थ मस्तिष्क से स्वस्थ मानस बनता है। युवाओं को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। कुलपति प्रो. सिंह ने विजया शर्मा का स्वागत अंगवस्त्र, विवि का प्रतीक चिन्ह एवं सूतमाला से किया।

संचालन अनुवाद अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर, कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मीरा निचळे ने किया तथा विवि के कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील ने आभार माना। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया।

इस अवसर डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. जयंत उपाध्याय, डॉ. राकेश मिश्र, बी. एस. मिरगे, डॉ. शिवाजी जोगदंड, डॉ. गजानन निलामे, डॉ. अंजनी राय, डॉ. हिमांशु नारायण, नीतू सिंह राष्ट्र सेविका समिति, पश्चिम क्षेत्र तरूणी विभाग प्रमुख लीना घारपुरे, राष्ट्र सेविका समिति, विदर्भ प्रांत सह तरूणी प्रमुख जान्ह्वी पानट, राष्ट्र सेविका समिति, विदर्भ प्रांत कार्यकारिणी की अपर्णा हरदास, राष्ट्र सेविका समिति की डॉ. शितल मशानकर सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की सफलता हेतु डॉ. कुलदीप पाण्डेय, संगीता मालवीय, वर्षा फुलझेले, राधा ठाकरे, प्रतिभा भोयर, प्रिया माळी, मुशीर, सौरभ, अश्विन आदि ने सहयोग किया।

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उदयोन्मुख भारताला ओजस्वी-तेजस्वी तरुणांची गरज : विजया शर्मा

हिंदी विश्वविद्यालयात 'उदयोन्मुख भारतात युवकांची भूमिका' या विषयावर व्याख्यान

वर्धा, १७ जानेवारी २०२५: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात विकसित भारत @ २०४७ व्याख्यानमाले अंतर्गत 'उदयोन्मुख भारतात युवकांची भूमिका' या विषयावर आयोजित विशेष व्याख्यानात, राष्ट्र सेविका समिती, दिल्लीच्या अखिल भारतीय युवा विभाग प्रमुख विजया शर्मा म्हणाल्या की उदयोन्मुख भारतात ओजस्वी आणि तेजस्वी तरुणांची गरज आहे. आपल्याला विविधतेत एकता वारशाने मिळाली आहे. युवकांना आपल्या संस्कृती आणि परंपरांचे अनुसरण करत **निष्काम** कर्मातून जीवनात **निस्पृहता** आणावी. १७ जानेवारी, शुक्रवार रोजी महादेवी वर्मा सभागृहात आयोजित व्याख्यानाच्या अध्यक्षस्थानी कुलगुरू प्रो. कृष्ण कुमार सिंह होते.

विजया शर्मा यांनी इतिहासाच्या मध्ययुगीन आणि आधुनिक कालखंडावर चर्चा करताना स्वामी विवेकानंद, वीर सावरकर, देवी अहिल्या, द्रौपदी, यमुनाबाई, रुक्मिणी इत्यादींच्या अध्यात्म, सांस्कृतिक योगदान आणि कौशल्य व्यवस्थापनावर आपले विचार व्यक्त केले. त्या म्हणाल्या की श्रीकृष्ण आणि राम यांनी त्यांच्या तरुणपणी भारताच्या समृद्ध संस्कृतीची ओळख करून दिली होती. त्यांनी आजच्या तरुणांना उदयोन्मुख भारतासाठी धर्माच्या सत्य, पवित्रता, करुणा आणि तपस्या या चार वैशिष्ट्यांचे पालन करून योगदान देण्याचे आवाहन केले.

अध्यक्षीय भाषणात कुलगुरू प्रो. सिंह म्हणाले की तरुणांनी विकसित भारत@ २०४७ च्या दिशेने आपली मूल्ये, परंपरा आणि स्वत्व ओळखून जगात आपली प्रतिमा निर्माण करावी. स्वामी विवेकानंदांच्या शिकागो व्याख्यानाचे उदाहरण देत ते म्हणाले की विवेकानंदांनी अभ्यास, आरोग्य आणि खेळांवर अधिक भर दिला होता. निरोगी मन निरोगी मनाकडे घेऊन जाते असा त्यांचा विश्वास होता. तरुणांनी यातून प्रेरणा घ्यावी. कुलगुरू प्रो. सिंह यांनी विजया शर्मा यांचे शाल, विविचे प्रतीक चिन्ह आणि सूतमाळ देवून स्वागत केले.

संचालन अनुवाद अध्ययन विभागाच्या सहायक प्रोफेसर, कार्यक्रमाच्या संयोजक डॉ. मीरा निचळे यांनी केले तर विविचे कुलसचिव प्रो. आनन्द पाटील यांनी आभार मानले. कार्यक्रमाची सुरुवात दीप प्रज्ज्वलन आणि कुलगीताने तर सांगता राष्ट्रगीताने करण्यात आली.

या प्रसंगी डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. जयंत उपाध्याय, डॉ. राकेश मिश्र, बी. एस. मिरगे, डॉ. शिवाजी जोगदंड, डॉ. गजानन निलामे, डॉ. अंजनी राय, डॉ. हिमांशु नारायण, नीतू सिंह, राष्ट्र सेविका समिती, पश्चिम क्षेत्र तरूणी विभाग प्रमुख लीना घारपुरे, राष्ट्र सेविका समिती, विदर्भ प्रांत सह तरूणी प्रमुख जान्हवी पानट, राष्ट्र सेविका समिती, विदर्भ प्रांत कार्यकारिणीच्या अपर्णा हरदास, राष्ट्र सेविका समितीच्या डॉ. शितल मशानकर यांच्या सह मोठ्या संख्येने कर्मचारी, शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित होते.

कार्यक्रमाच्या यशस्वीतेसाठी डॉ. कुलदीप पांडे, संगीता मालवीय, वर्षा फुलझेले, राधा ठाकरे, प्रतिभा भोयर, प्रिया माळी, मुशीर, सौरभ, अश्विन यांनी सहकार्य केले.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: buddhadassmirge@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305